मॉडल प्रश्न-पत्र प्रारूप (उत्तर सहित)

Model Sample Question Paper with Answers

FINAL Examination

इण्टरमीडिएट–द्वितीय वर्ष (Class XII)

Set 4

भूगोल (Geography)

Time – 3 Hours *Full Marks – 70*

सामान्य निर्देश : परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
दाहिने ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
सभी प्रश्नों के उत्तर दें।
प्रश्न संख्या 1 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।
प्रश्न संख्या 11 से 20 तक प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। परीक्षार्थी अपना उत्तर 30 शब्दों से अधिक में न दें।
प्रश्न संख्या 21 से 25 तक प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है। परीक्षार्थी अपना उत्तर 100 शब्दों से अधिक में न दें।
प्रश्न संख्या 26 से 29 तक प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। परीक्षार्थी अपना उत्तर 200 शब्दों से अधिक में न दें।

बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न **1 × 10 = 10**

1. 'नियतिवाद' के विचारक कौन थे?
(a) कांट (b) हम्बोल्ट (c) रीटर (d) इनमें से सभी। **उत्तर** *: (d)*

2. निम्नलिखित में कौन-सा एक मानव भूगोल का उपागम नहीं है?
(a) क्षेत्रीय विभिन्नता (b) मात्रात्मक क्रान्ति
(c) स्थानिक संगठन (d) अन्वेषण और वर्णन। **उत्तर** *: (b)*

3. भारत में अधिकतम लिंगानुपात अधिक किस राज्य में हैं।
(a) उड़ीसा (b) हिमाचल प्रदेश (c) केरल (d) पंजाब। **उत्तर** *: (c)*

4. सर्वोत्तम किस्म का कोयला है:
(a) एन्थ्रेसाइट (b) बिटुमिनस (c) लिग्नाइट (d) पीट। **उत्तर** *: (a)*

5. मानव विकास सूचकांक (2005) के संदर्भ में विश्व के देशों में भारत की निम्नलिखित में से कौन-सी कोटि थी?
(a) 126 (b) 127 (c) 128 (d) 129. **उत्तर** *: (b)*

6. इनमें से कौन बगाती कृषि नहीं है?
(a) रबड़ (b) चाय (c) गन्ना (d) मक्का। **उत्तर** *: (d)*

Scanned with CamScanner

7. विश्व में तांबा आयस्क का सबसे बड़ा उत्पादक देश है:
(a) चिली (b) अर्जेण्टाइना (c) ब्राजील (d) पराग्वे। उत्तर : *(a)*

8 मैनचेस्टर किस उद्योग के लिए प्रसिद्ध है?
(a) सूती वस्त्र (b) ऊनी वस्त्र (c) लोहा - इस्पात (d) कागज। उत्तर : *(a)*

9. सूती वस्त्रों की राजधानी किसे कहते हैं?
(a) अहमदाबाद (b) मुम्बई (c) कानपुर (d) ग्वालियर। उत्तर : *(b)*

10. निम्नलिखित में से सर्वाधिक प्रदूषित नदी कौन-सी है?
(a) ब्रह्मपुत्र (b) सतलुज (c) यमुना (d) गोदावरी। उत्तर : *(c)*

अति लघु-उत्तरीय प्रश्न $2 \times 10 = 20$

प्रश्न 11: मानव विकास सूचकांक क्या है? इसकी गणना के संकेतक कौन-से हैं? 2

उत्तर : मनुष्य की आकाँक्षाओं एवं जीवन यापन की सुविधाओं की उपलब्धता में वृद्धि को मानव विकास कहा जाता है। मानव विकास को, प्रदर्शित करने के लिए जिस संकेतक का प्रयोग किया जाता है उसे मानव विकास सूचकांक कहा जाता है।

मानव विकास सूचकांक को निरूपित करने के लिए निम्नलिखित संकेतकों का प्रयोग किया जाता है –

(i) जीवन प्रत्याशा
(ii) शिक्षा का स्तर
(iii) प्रतिव्यक्ति सकल राष्ट्रीय उत्पाद।
(iv) जनसंख्यात्मक विशेषताएँ जैसे, शिशु मृत्यु दर, आयु वर्ग, प्राकृतिक वृद्धि दर आदि

प्रश्न 12. गैरिसन नगर क्या होते हैं? उनका क्या प्रकार्य होता है? 2

उत्तर : सैनिक छावनी को गैरिसन नगर के नाम से भी जाना जाता है, जैसे – अम्बाला, रामगढ़, जालन्धर, महू, बबीना, उधमपुर इत्यादि। इन नगरों में सैनिकों को प्रशिक्षण दिया जाता है। उनके निवास के लिए बैरिकें बनायी जाती हैं। इनका मुख्य कार्य सुरक्षा एवं सेवा है। ये नगर रक्षात्मक या सैनिक कार्य–कलापों के केन्द्र होते हैं। पुराने समय के इन नगरों में किले या दुर्ग होते थे। आधुनिक समय में स्थल–सेना, नौसेना या वायुसेना के रेजिमेंट, कौण्टोनमेन्ट या मुख्यालय गैरिसन नगरों का स्वरूप ले लेते हैं।

***अथवा,* सन्नगर, मिलियन सिटी एवं मेगासिटी क्या होते हैं?**

उत्तर : सन्नगर : यह विशाल नगरीय क्षेत्र होते हैं जो कि मूलत: अलग–अलग नगरों के आपस में मिल जाने से एक विशाल नगरीय विकास क्षेत्र में परिवर्तित हो जाते हैं।

मिलियन सिटी (महानगर) : दस लाख और दस लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगरों को मिलियन सिटी कहा जाता है। मिलियन सिटी की संख्या पहले की अपेक्षा निरन्तर बढ़ रही है। सन् 2005 में दस लक्खी नगरों की संख्या 438 थी।

मेगासिटी : मेगासिटी का अर्थ एक विशाल नगर है। इसे विश्वनगरी भी कहते हैं। यह बड़ा महानगर प्रदेश होता है। मेगासिटी के मुख्य नगर और उपनगरों की मिलकर जनसंख्या एक करोड़ या एक करोड़ से अधिक होती है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 13. वायु प्रदूषण क्या है? वायु प्रदूषण के प्रभावों का उल्लेख करें। 2

***अथवा,* वायु प्रदूषण का मानव स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ता है?**

उत्तर : वायु प्रदूषण : प्राकृतिक रूप से वायुमंडल में व्याप्त विभिन्न गैसों के सापेक्षिक अनुपात में परिवर्तन को वायु प्रदूषण कहा जाता है।

कुप्रभाव : इस प्रक्रिया में जीवनदायी ऑक्सीजन गैस प्रदूषित हो जाती है तथा इससे श्वसनतंत्र, स्नायुतंत्र आदि से संबंधित बीमारियाँ होती हैं।

***अथवा,* जनसंख्या के तीव्र गति से बढ़ने के क्या कारण हैं?**

उत्तर : विश्व जनसंख्या में तीव्र गति से बढ़ने के निम्नलिखित कारण हैं –

(i) स्वास्थ्य सुविधाओं में तेजी से विकास हुआ है।

(ii) स्वास्थ्य सुविधाओं में विकास के कारण मृत्यु दर में कमी हुई है।

(iii) उत्पादन स्तर में वृद्धि के कारण विशाल जनसंख्या का भरण-पोषण संभव हुआ है।

(iv) वैज्ञानिक और तकनीकी विकास के कारण उद्योगीकरण हुआ जिसने मानव-जनसंख्या को बढ़ने का अवसर और मार्ग प्रदान किया।

प्रश्न 14 वायु परिवहन के लाभों एवं दोषों का विवरण प्रस्तुत कीजिए। 2

उत्तर : वायु परिवहन के लाभ निम्नलिखित हैं – यह परिवहन का तीव्रतम साधन है। मात्र 35 घंटे में विश्व के किसी भी स्थान तक वायु परिवहन द्वारा पहुँचा जा सकता है। दुर्गम इलाकों में भी आवागमन बना रहता है। अतः प्राकृतिक आपदाओं में तीव्रता से कार्य किया जा सकता है। युद्ध के दौरान यह देश की ताकत समझी जाती है।

वायु परिवहन के दोष निम्नलिखित गिने जाते हैं। यह काफी महँगा होता है। इसका उपयोग सभी वर्ग के लोग नहीं कर पाते हैं। खराब मौसम में यह अनुपलब्ध रहता है। दुर्घटनाएँ एवं अपहरण आदि घटनाओं की संभावनाएँ सदैव बनी रहती है तथा पथ परिवहन की तरह दरवाजे तक यह उपलब्ध नहीं हो सकता है।

प्रश्न 15. अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास के लिए कौन-कौन सी भौगोलिक परिस्थितियाँ आवश्यक हैं? 2

उत्तर : अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास के लिए उत्तरदायी भौगोलिक परिस्थितियाँ–

(i) अंतर्देशीय जलमार्गों के रूप में प्रयुक्त नदियों में वर्ष भर पानी की आवश्यकता होती है।

(ii) नदियों का प्रवाह सरल होना आवश्यक है जिसमें जलप्रपात अथवा तीव्र ढाल नहीं होने चाहिए।

(iii) नदियों का मार्ग अधिक से अधिक सरल रेखीय होना चाहिए।

(iv) अंतर्देशीय जलमार्ग के रूप में नदियों का संबंध महासागरीय जलमार्ग से होने से इनका महत्त्व काफी बढ़ जाता है।

(v) सर्दियों में नदियों के पानी को जमना नहीं चाहिए, जिससे नौवहन में बाधा पहुँचती ह

प्रश्न 16. ऋतु-प्रवास का क्या अर्थ है? 2

उत्तर : संसार के कुछ भागों में गड़ेरिए/पशुपालक मौसम के अनुसार स्थान परिवर्तन करते हैं। उदाहरण के तौर पर गर्मी की ऋतु में वे ऊँचे पर्वतों की घाटियों तथा सर्दियों में मैदानों की ओर चले आते हैं। इन लोगों का मवेशियों के साथ ऋतु के अनुसार भिन्न प्रवास ही ऋतु-प्रवास कहलाता है। उदाहरण : भोटिया, गूजर, बारकोजवाल, गद्दी मैदानी इलाकों से हिमालय की तराइयों की ओर प्रवास करते हैं।

प्रश्न 17. पर्यावरण से आप क्या समझते हैं? 2

उत्तर : पृथ्वी के चारों ओर उपस्थित भौतिक एवं जैविक वायुमंडल को पर्यावरण के नाम से जाना जाता है। पर्यावरण की शुद्धता पर ही पृथ्वी पर जीवों का अस्तित्व संभव होता है। भौतिक

Scanned with CamScanner

एवं जैविक घटकों के उपस्थिति के अनुसार पर्यावरण में विभिन्नता आती है। पर्यावरण में भूमि, वायु तथा जल को सम्मिलित किया जाता है।

प्रश्न 18. परिवहन एवं संचार में अंतर बतायें। 2

उत्तर :

परिवहन	संचार
(1) यात्रियों एवं वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने की प्रक्रिया परिवहन कहलाती है।	(1) सूचनाओं, संदेश तथा विचारों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने की प्रक्रिया संचार कहलाती है।
(2) सड़क मार्ग, रेलमार्ग, वायुमार्ग तथा पाइप लाइनें परिवहन के साधन हैं।	(2) टेलीफोन, इंटरनेट, उपग्रह, डाक, टेलीग्राफ, फैक्स आदि संचार के साधन हैं।

प्रश्न 19.. स्वेज नहर की मुख्य विशेषताएँ लिखिए। 2

उत्तर : स्वेज नहर की मुख्य विशेषताएँ :

1. इस नहर का निर्माण 1869 में मिस्र में हुआ है।
2. यह जलबंधकों से रहित समुद्र सतह के बराबर नहर है।
3. यह लगभग 160 कि.मी. लम्बी तथा 11 से 15 मीटर गहरी नहर है।
4. एक रेलमार्ग इस नहर के साथ-साथ स्वेज तक जाता है।
5. एक नौगम्य ताजा पानी की नहर स्वेज नहर से मिलती है।
6. यह लाल सागर और भूमध्य सागर को मिलाती है।

प्रश्न 20. स्वर्ण चतुर्भुज का व्यापार पर क्या प्रभाव पड़ा है? 2

उत्तर : (i) स्वर्ण चतुर्भुज के द्वारा दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई को छः गलियों वाले परम राजमार्गों द्वारा जोड़ा गया है। इसके कारण पूरे देश के आवागमन में तीव्रता आयी है तथा बड़ी मालवाहक गाड़ियों का प्रयोग बढ़ा है। इसके कारण माल ढुलाई सुविधाजनक हुई है।

(ii) शीघ्र ही सड़ जाने वाली वस्तुएँ, ताजे फल-सब्जियाँ आदि शीघ्रता से देश के एक कोने से दूसरे कोने तक लेजाने में आसानी हुई है।

(iii) इसके कारण तेल की खपत में कमी आयी है तथा ट्रान्सपोर्ट उद्योग का विकास हुआ।

लघु-उत्तरीय प्रश्न $4 \times 5 = 20$

प्रश्न 21. ध्वनि प्रदूषण क्या है? ध्वनि प्रदूषण के प्रभावों का वर्णन कीजिए। 4

उत्तर : मानव श्रवण-सीमा से ऊपर की ध्वनि, ध्वनि-प्रदूषण को जन्म देती है। उद्योगों, वाहनों आदि के शोर से ध्वनि प्रदूषण की स्थिति उत्पन्न हुई है, ध्वनि प्रदूषण का खतरा उत्पन्न हुआ है। इसका मानव पर प्रतिकूल शारीरिक और मानसिक प्रभाव पड़ता है।

कोलाहलपूर्ण वातावरण में रहने वाले व्यक्ति को मानसिक ऊर्जा का अधिक उपयोग करना पड़ता है जिसके कारण वह जल्दी थक जाता है। एक सीमा से अधिक होने पर कोलाहल मानव शरीर में विभिन्न दैहिक परिवर्तन भी ला सकता है।

ध्वनि प्रदूषण के कारण ध्यान में अवरोध उत्पन्न होता है, सीखने की क्षमता में कमी आती है तथा सामान्य गतिविधियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

विस्मरण, सुनने की क्षमता में कमी, अतिरक्त-दाब, चिड़चिड़पन, मानसिक विक्षिप्तता आदि ध्वनि प्रदूषण के कुछ गंभीर परिणाम हैं।

Scanned with CamScanner

अथवा, भारत में जल प्रदूषण के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

अथवा, जल प्रदूषण के स्रोतों का वर्णन करें।

उत्तर : (i) औद्योगिक कचरा तथा अन्य अपशिष्ट पदार्थ भारी मात्रा में नदियों में गिराये जाते हैं। इनमें उपस्थित विषैले तत्त्व जल में उपस्थित जैव-तंत्र को नष्ट कर देते हैं। परिणामस्वरूप वह जल प्रयोग के लायक नहीं रह जाता है। यह जल प्रदूषण का एक प्रधान रूप है।

(ii) नगरों में जल-मल तथा कूड़ा-कचरों के जमाव को पास की नदियों में गिराया जाता है। गंदे नालों से पानी, नदियों में पहुँचता है। ये सभी जल के जैव तंत्र को नष्ट करते हैं, फलतः जल पीने योग्य नहीं रह जाता है।

(iii) खेतों में प्रयुक्त रासायनिक उर्वरक, कीटनाशक, खर-पतवार नाशक आदि पानी के साथ बहकर नदियों में पहुँच जाते हैं, जिससे नदियों का जल प्रदूषित हो जाता है।

(iv) बढ़ती हुई जनसंख्या और जल का अविवेकपूर्ण उपयोग।

(v) औद्योगिक विस्तारण के कारण जल की गुणवत्ता का अधिक निम्नीकरण हुआ है।

प्रश्न 22. भारतीय कृषि में उच्च उत्पादकता के लिए उत्तरदायी किन्हीं तीन प्रमुख कारकों का वर्णन कीजिए। 4

उत्तर : भारतीय कृषि की उच्च उत्पादकता के लिए उत्तरदायी तीन प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं –

(i) सिंचाई उच्च उत्पादकता का एक प्रमुख कारक है। पंजाब, हरियाणा और पश्चिम बंगाल में कुल कृषिगत क्षेत्र का 60% से अधिक सिंचित है जिसके कारण वहाँ के किसान अधिक पैदावार प्राप्त करते हैं।

(ii) उत्तम गुणवत्ता, बीजों की शीघ्र पकने वाली क़िस्मों ने किसानों को उच्च उत्पादकता प्राप्त करने में सक्षम बनाया है।

(iii) गृह-निर्मित खाद के बजाए उर्वरकों की उपलब्धता उच्च उत्पादकता के लिए तीसरा प्रमुख उत्तरदायी कारक है। उर्वरकों ने भूमि के उपजाऊपन को बढ़ाने और बनाये रखने में सहायता प्रदान की है।

***अथवा,* रोपण कृषि की मुख्य विशेषताएँ बतलाइए एवं भिन्न-भिन्न देशों में उगाई जाने वाली कुछ प्रमुख रोपण फसलों के नाम बतलाइए।**

***अथवा,* संसार की रोपण कृषि की फसलों के नाम बताइए। रोपण कृषि की किन्हीं चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए।**

उत्तर : रोपण कृषि (Plantation Agriculture) : यह एक विशेष प्रकार की व्यापारिक कृषि है। इसमें किसी एक नकदी फसल की बड़े पैमाने पर कृषि की जाती है। यह कृषि बड़े-बड़े आकार से खेतों या बागानों पर की जाती है इसलिए इसे **बाग़ाती कृषि** भी कहते हैं।

रोपण कृषि की मुख्य फ़सलें रबड़, चाय, कहवा, कोको, गन्ना, नारियल, केला आदि हैं।

विशेषताएँ :

(1) यह कृषि बड़े-बड़े आकार के फार्मों पर की जाती है।

(2) इसका अधिकतर भाग निर्यात कर दिया जाता है।

(3) इस कृषि में वैज्ञानिक विधियों, मशीनों, उर्वरक, अधिक पूँजी का प्रयोग होता है।

(4) इन बागानों में बड़ी संख्या में कुशल श्रमिक काम करते हैं। ये श्रमिक स्थानीय होते हैं। श्रीलंका के चाय के बागान तथा मलेशिया में रबड़ के बागान पर भारतीय श्रमिक काम करते हैं।

(5) रोपण कृषि के बाग़ान विरल जनसंख्या वाले क्षेत्रों में अधिक भूमि प्राप्त होने के कारण लगाये जाते हैं।

प्रमुख फ़सलें : उष्ण कटिबन्ध के विरल जनसंख्या वाले बड़े क्षेत्रों पर एक ही फ़सल की व्यापारिक कृषि को रोपण कृषि कहते हैं। रोपण कृषि की मुख्य फ़सलें हैं–

Scanned with CamScanner

(1) रबड़ (मलेशिया तथा इन्डोशिया में) (2) कोको (पश्चिमी अफ्रीका में)
(3) कहवा (ब्राज़ील में) (4) चाय (भारत तथा श्रीलंका में)
(5) गन्ना (क्यूबा तथा जावा में)।

प्रश्न 23. दूसरे परिवहनों की अपेक्षा पाइप लाइन परिवहन की चार सुविधाएँ/लाभ बताइए। 4

***अथवा,* पाइपलाइन परिवहन की क्या विशेषताएँ हैं?**

उत्तर : (i) तेल एवं प्राकृतिक गैसों के परिवहन के लिए पाइप लाइन एक निश्चित एवं अवरोधरहित साधन है।

(ii) इसके निर्माण पर एक बार व्यय होता है तथा इसके रख-रखाव पर बार-बार भारी व्यय की आवश्यकता नहीं होती।

(iii) इसमें परिवहन लागत काफी कम है।

(iv) इसे तेल एवं प्राकृतिक गैस के स्त्रोत-स्थल से सीधे रिफाइनरी तक बिछाया जा सकता है।

(v) यह पानी के नीचे तथा किसी प्रकार की भूमि के नीचे बिछाया जा सकता है।

(vi) रिफाइनरियों को पाइप लाइनों से निर्बाध और सतत् आपूर्ति सुनिश्चित होती है।

(vii) इससे मध्य-मार्ग में होनेवाली बर्बादी नहीं के बराबर होती है।

***अथवा,* वर्षा-जल संग्रहण किसे कहते हैं? वर्षा-जल संग्रहण के किन्हीं चार उद्देश्यों का उल्लेख कीजिए।**

उत्तर : वर्षा जल संग्रहण एक ऐसी विधि है जिसमें भूमि में बने जलाशयों में वर्षा के जल का संचय करने से भूमिगत जल संसाधनों में वृद्धि संभव है।

वर्षा जल संग्रहण करने के चार उद्देश्य :

(i) दिनों-दिन बढ़ती जल की समस्या का कुछ सीमा तक निदान।

(ii) इस विधि के कारण सड़कों पर वर्षा का पानी नहीं बहता तथा पानी का अपव्यय नहीं होता।

(iii) इससे भूमिगत जल की कमी पूर्त्ति तो होती ही है, जल का स्तर भी बढ़ता है। इस प्रकार घरेलू उपभोग के काम आने वाले जल की आपूर्त्ति में भी सहायता मिलती है।

(iv) यह तरीका काम में लेने से मिट्टी का कटाव रुकता है तथा जल प्रदूषण कम होने के कारण भूमिगत जल की गुणवत्ता में सुधार आता है।

प्रश्न 24. भारत में सूती वस्त्र उद्योग के वितरण का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 4

उत्तर : सूती वस्त्र उद्योग भारत का सबसे बड़ा उद्योग है। मुंबई सूती वस्त्र उद्योग के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा तथा गुजरात में अहमदाबाद दूसरा प्रमुख केंद्र बना।

सूती वस्त्र उद्योग संरचनात्मक दृष्टि से अत्यंत जटिल थी। इसमें एक ओर आरंभिक प्रौद्योगिकी (primitive technology) हथकरघा क्षेत्र थे तथा दूसरी ओर वृहत् स्तरीय अतिपरिष्कृत पूँजी वाले गहन मिल क्षेत्र। इन दोनों के बीच मध्य क्षेत्र में पॉवरलूम था।

वितरण : यद्यपि भारत में सूती वस्त्र की मिलें 88 नगरों में स्थित है किंतु इस उद्योग का विकास महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु तथा उत्तर प्रदेश में अधिक हुआ है।

महाराष्ट्र : यह सूती वस्त्र उत्पादन में अग्रणी है। मुबंई यहाँ का मुख्य केंद्र है तथा इसे भारत का "सूतीनगर" (cottonopolis) कहा जाता है। शोलापुर, कोल्हापुर, नागपुर, पूणे, सतारा आदि कई प्रमुख केंद्र हैं।

***अथवा,* सूती वस्त्र उद्योग की क्या समस्याएँ हैं?**

उत्तर : सूती वस्त्र उद्योग भारत का सबसे बड़ा संगठित उद्योग है परन्तु इस उद्योग की कई समस्याएँ हैं– (i) देश में लम्बे रेशे वाली कपास का उत्पादन कम है। यह कपास विदेशों से आयात करनी पड़ती है। (ii) सूती कपड़ा मिलों की मशीनरी पुरानी है जिससे उत्पादकता

Scanned with CamScanner

कम है तथा लागत अधिक है। (iii) मशीनरी के आधुनिकीकरण के लिए स्वचालित मशीनें लगाना आवश्यक है। इसके लिए पर्याप्त पूँजी की आवश्यकता है। (iv) विदेशी बाजार में चीन तथा जापान के तैयार वस्त्र से स्पर्धा तीव्र है।

प्रश्न 25. "सड़क परिवहन, रेल परिवहन का प्रतिद्वंद्वी नहीं है।" स्पष्ट कीजिए। 4

उत्तर : मध्यम व कम दूरी तक सामान व यात्रियों को ले जाने के लिए सड़क मार्ग बहुत महत्त्वपूर्ण है जबकि लंबी दूरी की यात्रा के लिए रेल परिवहन को उपयुक्त माना जाता है। सड़कें मंडियों व कारखानों को रेलवे स्टेशन से जोड़ती है, जहाँ से सामान को रेलगाड़ी से उतारकर कारखानों में या मंडियों में भेजा जाता है। कृषि उत्पादों तथा कारखानों में बने सामान को दूरस्थ बाजार में रेलगाड़ियों के माध्यम से भेजा जाता है। यह उत्पाद व सामान रेलवे स्टेशन से ट्रकों द्वारा ले जाया जाता है।

सड़कमार्ग उन प्रदेशों में बहुत महत्त्वपूर्ण होते है जहाँ रेलमार्ग उपलब्ध नहीं होते, जैसे कि पर्वतीय व वनाच्छादित प्रदेशों में। सड़क परिवहन हल्के व शीघ्र खराब होने वाली वस्तुओं को ले जाने के लिए प्रमुख साधन हैं जबकि रेलपरिवहन भारी वस्तुएँ, खनिज अयस्क तथा मशीनरी ले जाने के लिए महत्त्वपूर्ण माना जाता है। इस प्रकार, हम देखते हैं कि सड़क परिवहन, रेल परिवहन का प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि पूरक है।

***अथवा,* भारत में परिवहन के अन्य साधनों की तुलना में सड़क परिवहन अधिक उपयोगी क्यों माना जाता है? तीन कारणों की व्याख्या कीजिए।**

उत्तर : भारत में सड़क यातायात ही सबसे उपयोगी साधन सिद्ध हुआ है क्योंकि :

(i) यही एकमात्र ऐसा साधन है जो घर-घर तक सेवाएँ प्रदान कर सकता है। साथ ही इस प्रकार के यातायात से यह सुविधा भी है कि इच्छानुसार कहीं से भी सवार होकर कहीं पर भी उतरा जा सकता है।

(ii) भारत में यह साधन काफी महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है क्योंकि भारत के गाँव सड़कों के माध्यम से ही शहरों से जुड़े हैं। किसान शहरों तक जाने के लिए कच्ची सड़कों व बैलगाड़ियों का उपयोग करते हैं।

(iii) शीघ्र ही सड़ जाने वाली वस्तुएँ, ताजे फल-सब्जियाँ आदि सड़क यातायात के द्वारा ही एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जायी जाती हैं।

दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न $5 \times 4 = 20$

प्रश्न 26. जल संसाधनों का संरक्षण आवश्यक क्यों है? जल संरक्षण के उपायों की व्याख्या कीजिए। 5

उत्तर : यद्यपि जल पुनर्चक्रित होने वाला संसाधन है तथापि यदि जल का उपयुक्त प्रबंधन नहीं किया जाए, तो आने वाले वर्षों में भारत गंभीर जल संकट का सामना कर सकता है। भारत में जल की कुल संभावित (Potential) संसाधन की मात्रा 1140 bcm है किंतु यह मात्रा पूरे देश में समान रूप से उपलब्ध नहीं है। क्योंकि किन्हीं प्रदेशों में पानी की भारी कमी है तो कहीं उसकी अधिकता है। मौसमी विषमता जलापूर्ति की समस्या पैदा करती है। जल का प्रदूषण भी एक प्रमुख समस्या है। प्रदूषण जल को अनुपयोगी बना देता है तथा जल स्रोतों के जैविक तंत्र को नष्ट कर देता है।

जल को संरक्षित करने के निम्न उपाय हैं : (i) उस वर्षा जल को जो कि बहकर बेकार चला जाता है, इकट्ठा किया जाना चाहिए तथा अपनी घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उसे उप-सतह (sub-surface) में संग्रहित कर अपने सतही जल को रिचार्ज करना चाहिए।

Scanned with CamScanner

(ii) कृषि उत्पादन को बढ़ाने, कृषि जल में पारिस्थितिक अवकर्षन को रोकने तथा कम संसाधन वाले क्षेत्रों में जल आपूर्ति के लिए जल संसाधनों का वैज्ञानिक एवं उच्च तकनीक द्वारा प्रबंधन करने के उपाय होने चाहिए।

(iii) प्रत्येक उद्योग में जल उपचारक या शोधन अथवा मल व्ययन व मल शोधन संयंत्र होना चाहिए, ताकि नदियों में बहाए जाने से पूर्व पानी की अशुद्धियों को दूर किया जा सके।

(iv) सतही जल तथा भूमिगत जल को सुरक्षित करने के लिए शहरों में उपयुक्त सीवेज शोधन संयंत्र तथा उपयुक्त सीवेज प्रणाली होनी चाहिए।

(v) नदियों को साफ रखने के लिए लोगों में जागरूकता लाना आवश्यक है।

***अथवा,* भारत में भू-संसाधनों की विभिन्न प्रकार की पर्यावरणीय समस्याएँ कौन-सी हैं?**

उत्तर : भूमि संसाधनों का निम्नीकरण सिंचाई और कृषि विकास की दोषपूर्ण नीतियों से उत्पन्न हुई समस्याओं में से एक गम्भीर समस्या है।

(1) यह गम्भीर समस्या इसलिए है क्योंकि इससे मृदा उर्वरता क्षीण हो सकती है। यह समस्या विशेषकर सिंचित क्षेत्रों में भयावह है। कृषि भूमि का एक बड़ा भाग जलाक्रांतता, लवणता तथा मृदा क्षारता के कारण बंजर हो चुका है। अभी तक लवणता व क्षारता से लगभग 80 लाख हेक्टेयर भूमि कुप्रभावित हो चुकी हैं।

(2) देश की अन्य 70 लाख हेक्टेयर भूमि जलाक्रांतता के कारण अपनी उर्वरता खो चुकी है।

(3) कीटनाशक रसायनों के अत्यधिक प्रयोग से मृदा में जहरीले तत्त्वों का सांद्रण हो गया है।

(4) बहु-फसलीकरण की बढ़ोत्तरी से परती भूमि में कमी आयी है। इससे भूमि में पुनः उर्वरता पाने की प्राकृतिक प्रक्रिया अवरुद्ध हुई है जैसे नाइट्रोजन यंत्रीकरण।

(5) जल तथा वायु द्वारा अपरदन भी गम्भीर रूप धारण कर गए हैं।

प्रश्न 27. कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए सरकार द्वारा किये गये उपाय सुझाइए? *अथवा,* भारत में कृषि के नवीनतम विकास का वर्णन करें। 5

उत्तर : कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए सरकार द्वारा निम्नांकित उपाय किये गये हैं –

(1) जमींदारी उन्मूलन : जमींदारी प्रथा के अन्तर्गत किसानों को जमीन पर मालिकाना हक प्राप्त नहीं था, वे जमींदार के खेतों में कार्य करते थे। जमींदारों द्वारा किसानों का भरपूर शोषण किया जाता था। सरकार ने जमींदारी प्रथा का उन्मूलन कर किसानों को जमीन का मालिकाना हक दिया तथा उन्हें जमींदारों के शोषण से मुक्त किया।

(2) भू चकबंदी : भू चकबंदी के पहले किसानों के पास छोटे-छोटे खेत थे तथा बिखरे हुए थे। ऐसे जोत किसानों के लिए अलाभकारी थे। भू चकबंदी के अन्तर्गत किसानों के बिखरे खेतों को एक स्थान पर लाया गया जिससे किसानों को भारी राहत मिली।

(3) सिंचाई की व्यवस्था : कृषि उत्पादन में वृद्धि करने के उद्देश्य से सरकार ने नहरों का जाल बिछा दिया। कई छोटी, मध्यम और बड़ी सिंचाई परियोजनाओं को प्रारंभ किया गया। सिंचाई के लिए ग्रामीण इलाकों का विद्युतीकरण किया गया।

(4) आधुनिक उर्वरकों के प्रयोग को प्रोत्साहन : सरकार किसानों को कम मूल्य पर आधुनिक उर्वरक उपलब्ध कराती है। अनेक उर्वरक बनाने की कारखानों को खोला गया है। इससे निश्चित रूप से किसानों को उपज बढ़ाने में मदद मिलेगी।

(5) उन्नत बीजों के प्रयोग को प्रोत्साहन : सरकार द्वारा किसानों को उन्नत बीज कम मूल्य पर उपलब्ध कराया जा रहा है। विशेष रूप से गेहूँ के क्षेत्र में इसका विशेष लाभ सामने आया है।

Scanned with CamScanner

(6) आधुनिक रासायनिक कीटनाशकों के प्रयोग को प्रोत्साहन : फसलों का एक बड़ा भाग कीटों के द्वारा नष्ट हो जाता है। फसलों को बचाने के लिए सरकार किसानों को आधुनिक रासायनिक कीटनाशक उपलब्ध करवा रही है।

(7) आधुनिक उपकरणों का प्रयोग : सरकार किसानों को आधुनिक उपकरणों के प्रयोग के लिए प्रेरित कर रही है। कम मूल्य पर कृषि उपकरण किसानों को उपलब्ध कराये जा रहे हैं। इनमें ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, थ्रेसर आदि प्रमुख है। इन उपकरणों से न सिर्फ समय की बचत होती है, बल्कि फसलों को खराब होने से बचाने में भी सफलता प्राप्त होती है।

प्रश्न 28. विकासशील देशों में नगरीय मलिन बस्तियों की पाँच प्रमुख समस्याओं का वर्णन कीजिए। 5

***अथवा,* नगरीकरण एवं मलिन बस्तियों के संबन्ध की व्याख्या करें।**

उत्तर : विकासशील देशों में नगरीकरण की प्रक्रिया अपेक्षाकृत अधिक तीव्र है, जिसके कारण नगरीय जनसंख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप नगरीय बस्तियों की समस्याओं में भी वृद्धि हुई है। नगरीय बस्तियों के समक्ष निम्नांकित समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं–

(1) इन बस्तियों में **चिकित्सा सेवा का अभाव** है, जिसका मुख्य कारण इनकी अवैध स्थिति है।

(2) **मलिन बस्तियों** तथा **अवैध बस्तियों** की संख्या में तीव्र गति से वृद्धि हो रही है। **मलिन बस्तियों** का निर्धारण उनकी दशाओं के आधार पर किया जाता है। ये आधार निम्नांकित हैं – (i) बिजली का अभाव (ii) शौचालय एवं स्नानागार का अभाव (iii) नमी युक्त तथा टूटे-फूटे मकान (iv) पारिवारिक एकांत अथवा गोपनीयता का अभाव (v) मनोरंजन के लिए खुले स्थान का अभाव (vi) आग लगने की प्रबल संभावना।

(3) पानी के जमाव तथा अवशिष्ट पदार्थों के उचित ढंग से निष्पादन के अभाव के कारण **प्रदूषण की समस्या** में वृद्धि हुई है।

(4) शहरों में जनसंख्या की वृद्धि ने मूलभूत सुविधाओं की आपूर्ति में बाधा पहुँचाई है। रोजगार के अवसरों में कमी आयी है, पेयजल का संकट बढ़ा है, शिक्षा स्तर में गिरावट आयी है तथा चिकित्सा भी सभी को उचित रूप से उपलब्ध नहीं है।

(5) नगरीय बस्तियों पर उचित नियंत्रण की कमी से अपराध एवं असामाजिक क्रिया-कलापों में वृद्धि हुई है।

***अथवा,* आधुनिक संचार तंत्र ने पूरे संसार को एक 'वैश्विक ग्राम' के रूप में किस प्रकार बदल दिया है? चार उपयुक्त उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।**

उत्तर : संचार के आधुनिक साधनों ने पूरे विश्व को मनुष्य की छोटी सी बस्ती बना दिया है। यह निम्नलिखित से स्पष्ट है –

(i) टेलीफोन संचार का एक ऐसा महत्त्वपूर्ण माध्यम है जिसने दूरियों को मिटा दिया है। उपलब्ध मोबाईल, STD व ISD की सुविधा से अब दुनिया के किसी भी कोने में रह रहे व्यक्ति से सम्पर्क किया जा सकता है।

(ii) उपग्रह टी.वी. के कारण तो संचार माध्यमों में मानो क्रांति ही आ गयी है। महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ चाहें वे राजनीतिक हों, मनोरंजन की दुनिया से हों अथवा खेल से संबंधित, हमें घर बैठे ही मिल जाती हैं।

(iii) कम्प्यूटर और इंटरनेट ने दुनिया को हमारे करीब ला खड़ा किया है। कम्प्यूटर पर उपलब्ध ई-मेल की सुविधा से हम अपने प्रियजनों को अपना संदेश भेज सकते हैं। वर्तमान समय में व्यापारिक गतिविधियाँ भी ई-मेल के द्वारा संचालित हो रही हैं क्योंकि यह संदेश भेजने के सबसे तेज माध्यमों में से एक है। एक देश से दूसरे देश में पत्र भेजने में हफ्तों का समय लग जाता है और लम्बी दूरी की वजह से टेलीफोन महँगा सावित हो सकता है किन्तु ई-मेल की सहायता से दुनिया के किसी भी कोने में रह रहे व्यक्ति से किसी भी समय सम्पर्क किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

(iv) इंटरनेट की मदद से हम पूरे विश्व से जुड़ गए हैं। अब किसी दूसरे देश में स्वयं गए बगैर भी हम वहाँ की वस्तुएँ इंटरनेट पर पसंद करके मँगा सकते हैं अथवा अपना सामान भेज सकते हैं।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि टेलीफोन, टी.वी., ई-मेल व इंटरनेट ने समूचे विश्व को हमारे घरों तक पहुँचा दिया है। वैश्विक ग्राम का तात्पर्य है सम्पूर्ण विश्व की दूरी सिमट कर एक गाँव की दूरी का तरह बन जाना। सचमुच यह संभव हुआ है साइबर स्पेस के विकास से ही।

प्रश्न 29. दिये गये विश्व के रेखा-मानचित्र पर निम्नलिखित को दर्शाएँ। 5

(a) चीन का प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री पत्तन – शंघाई

(b) ट्रांस साइबेरियन रेलवे के पश्चिमी एवं पूर्वी छोर के स्टेशन – सेंट पीटर्सवर्ग एवं ब्लाडीवोस्टक

(c) सिलिकॉन वैली – सैन फ्रांसिस्को (यू.एस.ए.)

(d) हिन्द महासागर, आर्कटिक महासागर, प्रशांत महासागर

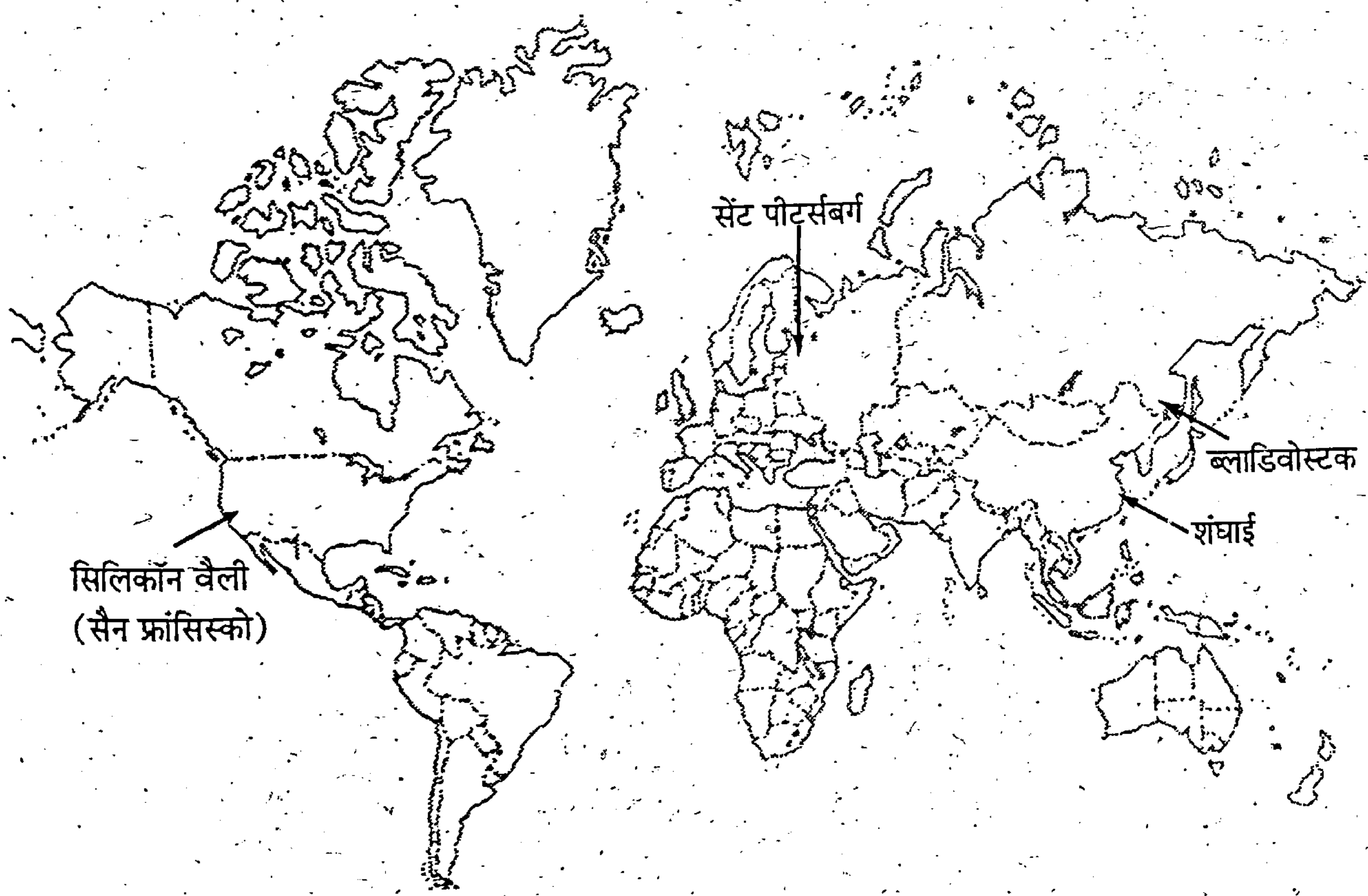

Scanned with CamScanner